

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

Total No. of Universities in the Country as on 25.11.2022

Universities	Total No.
State Universities	460
Deemed to be Universities	128
Central Universities	54
Private Universities	430
Total	1072

Universities under 12(B)	Total No.
State Universities	267
Deemed to be Universities	50
Central Universities	54
Private Universities	25
Total	396

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link


Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created


Channel photo changed



University Grants Commi

Broadcast

government_job_2020



1,711 Posts **6,845** Followers **7** Followings

Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class 🏆

1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions Insights Contact

New 15K Sub YouTube 2000 users



Filler Form
Education Hub

Filler Form National Test For **UGC NET**

Get Up To

90% Scholarships!



08:00AM-08:00PM



09 January, 2023

Enroll Now!



For more info contact:
8233651148



For more info visit:
<https://fillerform.info/>



NET Dec 2022

Exam -21 Feb

NET June 2023

Exam - 13 June

www.fillerform.info



Fillerform



MP SET 2023

Raj SET 2023

All SET Exam

2023



UGC NET 2023



09:00 AM

10:00 AM

11:00 AM

09:00 PM



UGC NET 2023

Online Quiz

12:00 PM

 **Fillerform**







8209837844

www.Fillerform.in  /Fillerfor

Teaching Aids

The types of equipment that teachers use to define the objective of a topic are known as Teaching Aids. Teaching Aids are being a major part of the learning process.

The science and technologies used in the learning process are added in the list of Teaching Aids.

किसी विषय के उद्देश्य को परिभाषित करने के लिए शिक्षक जिस प्रकार के उपकरणों का उपयोग करते हैं, उन्हें शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में जाना जाता है। शिक्षण सहायक सामग्री सीखने की प्रक्रिया का एक प्रमुख हिस्सा है। सीखने की प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले विज्ञान और तकनीकों को शिक्षण सहायक सामग्री की सूची में जोड़ा गया है।

Here's what the experts say about learning –
“Learners can remember only 20% what they hear, 30% what they see, 50% what they see & hear and 90% of what they say and do”.

यहां जानिए सीखने के बारे में विशेषज्ञ क्या कहते हैं
-
"शिक्षार्थी जो सुनते हैं उसका केवल 20%, जो देखते हैं उसका 30%, जो देखते हैं उसका 50% ही याद रख पाते हैं।

44

Needs of Teaching Aids – Know Why All These are Necessary?

टीचिंग एड्स की मदद से कॉन्सेप्ट्स को अधिक प्रभावी तरीके से क्लियर किया जा सकता है।

शिक्षण सहायक सामग्री उन लोगों के लिए उपयोगी है जो आमतौर पर बेहतर प्रदर्शन करने की चिंता से पीड़ित होते हैं और नई चीजें सीखते समय निराश हो जाते हैं।

जिन लोगों में बार-बार भूलने की प्रवृत्ति होती है, उनके लिए शिक्षण सहायक सामग्री बहुत महत्वपूर्ण होती है।

टीचिंग एड्स की मदद से, इच्छुक व्यक्ति सुनने, सूंघने और देखने के माध्यम से एक स्पष्ट छवि बना सकते हैं या ठीक से समझ सकते हैं।

With the help of Teaching Aids, one can clear the concepts in a more effective way.

Teaching Aids are useful for those who usually suffer through the anxiety to perform better and becomes hopeless while learning new things.

Teaching Aids are very important for those who have a tendency to forgot frequently.

With the help of Teaching Aids, aspirants can make a clear image or understand properly through hearing, smelling and looking.

सीखने की प्रक्रिया में वैचारिक सोच महत्वपूर्ण है। शिक्षण सहायक सामग्री आपको अवधारणाओं को स्पष्ट करने का मौका देती है।

यह किसी भी मामले में तेजी से और सटीक सीखने में मदद करता है।

शिक्षण सहायक सामग्री छात्रों के लिए एक खुश और दिलचस्प वातावरण बनाती है।

छात्र टीचिंग एड्स से प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री शिक्षक और छात्रों दोनों के लिए सीखने को स्थायी बनाती है।

Conceptual thinking is important in the Learning Process. Teaching Aids give you a chance to clear the concepts.

It helps to learn faster and accurate in any case.

Teaching aids create a happy and interesting environment for the students.

Students can avail of direct experience from Teaching Aids.

Teaching Aids make learning permanent for both teacher and students.

Visual Aids

These are the tools that used to present the information with the help of the sense of vision.

The mostly used visuals aids are models, pictures, objects, maps, flashcards, charts chalkboard, slides, blackboard, bulletin boards, film strips etc.

The above-mentioned Teaching Aids are mostly used by the teacher depending on the sense of sight.



विजुअल एड्स

ये वे उपकरण हैं जो दृष्टि की भावना की सहायता से सूचना प्रस्तुत करते थे। मॉडल, चित्र, वस्तुएं, मानचित्र, फ्लैशकार्ड, चार्ट चॉकबोर्ड, स्लाइड, ब्लैकबोर्ड, बुलेटिन बोर्ड, फिल्म स्ट्रिप्स आदि सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले विजुअल एड्स हैं। उपर्युक्त शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग ज्यादातर शिक्षक द्वारा दृष्टि की भावना के आधार पर किया जाता है।

Audio Aids

The Teaching Aids which uses the sense of hearing are counted in Audio Aids.

Students can learn by hearing the study material without any visualization.

The most common audio aids are radio, tape recorder, gramophone etc.



ऑडियो एड्स
शिक्षण सहायक उपकरण जो सुनने की भावना का
उपयोग करते हैं, उन्हें ऑडियो एड्स में गिना जाता
है।

छात्र बिना किसी कल्पना के अध्ययन सामग्री को
सुनकर सीख सकते हैं।

सबसे आम श्रव्य साधन रेडियो, टेप रिकॉर्डर,
ग्रामोफोन आदि हैं।

Audio-Visual Aids

These types of Teaching Aids include both Audio and Visual Aids. A student can take help of sense of vision and hearing as well.

The examples of Audio-Visual Aids are – Television, Filmstrips, film projectors, classroom films, industrial films, documentary films etc.

The above-mentioned Teaching Aids are widely known as the best tools that a teacher can use to explain each and every step to the aspirants.

You should also take a quick view on the importance of Teaching Aids in our education system from the below-mentioned points.

श्रव्य - दृश्य मदद

इस प्रकार के शिक्षण सहायक सामग्री में श्रव्य और दृश्य सहायक सामग्री दोनों शामिल हैं। एक छात्र दृष्टि और श्रवण की सहायता भी ले सकता है।

ऑडियो-विजुअल एड्स के उदाहरण हैं - टेलीविजन, फिल्मस्ट्रिप्स, फिल्म प्रोजेक्टर, क्लासरूम फिल्में, औद्योगिक फिल्में, डॉक्यूमेंटी फिल्में आदि।

उपर्युक्त शिक्षण सहायक सामग्री को व्यापक रूप से सबसे अच्छे उपकरण के रूप में जाना जाता है जिसका उपयोग एक शिक्षक उम्मीदवारों को प्रत्येक चरण की व्याख्या करने के लिए कर सकता है।

आपको शिक्षण सहायता के महत्व पर भी त्वरित दृष्टि डालनी चाहिए



Importance of Teaching Aids

Builds the Motivation

Strengthen the Vocabulary

Helps to Save Time and Money as Well

Can Get Direct Experience

Discouragement of Cramming

शिक्षण सहायक सामग्री का महत्व

प्रेरणा बनाता है

शब्दावली को मजबूत करें

समय और पैसा बचाने में भी मदद करता है

प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकते हैं

क्रेमिंग का निराशा

Q.1 TV is superior to radio as a teaching aid because it

(A) Generally liked by pupils

(B) Is Costly

(C) Invites two sense hearing and vision simultaneously leading to a more accurate form of learning

(D) None of the above

प्र.1 टी.वी. एक शिक्षण सहायक के रूप में रेडियो से बेहतर है क्योंकि यह

(ए) आम तौर पर विद्यार्थियों द्वारा पसंद किया जाता है

(बी) महंगा है

(सी) सीखने के एक और सटीक रूप के लिए एक साथ दो संवेदी श्रवण और दृष्टि को आमंत्रित करता है

(डी) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Q.2 An effective teaching aid is one which

- (A) Activates all faculties
- (B) Is visible to all students
- (C) Is colorful and good looking
- (D) Is Easy to prepare and use

Q.2 एक प्रभावी शिक्षण सहायक वह है जो

- (ए) सभी संकायों को सक्रिय करता है
- (बी) सभी छात्रों के लिए दृश्यमान है
- (सी) रंगीन और अच्छी लग रही है
- (डी) तैयार करना और उपयोग करना आसान है

Q.3 Which of the following statements about teaching aids are correct?

- (A) They help the students learn better
- (B) They help in retaining concepts for a longer duration
- (C) They make teaching-learning process interesting
- (D) All A, B & C

Q.3 शिक्षण सहायक सामग्री के बारे में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

- (ए) वे छात्रों को बेहतर सीखने में मदद करते हैं
- (बी) वे लंबी अवधि के लिए अवधारणाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं
- (सी) वे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को रोचक बनाते हैं
- (डी) सभी ए, बी

Q.4 Which one is not an instructional material?

(A) Audio Cassette

(B) Transparency

(C) Printed Material

(D) Over Head Projector

Q.4 कौन सी शिक्षण सामग्री नहीं है?

(ए) ऑडियो कैसेट

(बी) पारदर्शिता

(सी) मुद्रित सामग्री

(डी) ओवरहेड प्रोजेक्टर

Q.5 Which one is an example of visual aids?

- (A) Classroom Films
- (B) Tape Recorder
- (C) Chalkboard
- (D) Documentary Film

Q.5 कौन सा दृश्य सहायक का एक उदाहरण है?

- (ए) कक्षा फिल्में
- (बी) टेप रिकॉर्डर
- (सी) चॉकबोर्ड
- (डी) वृत्तचित्र फिल्म



EVALUATION



shutterstock.com · 1339409468



8209837844

www.Fillerform.info

[/Fillerform](#)

Evaluation:

Education is a changing process that requires it to be continuously evaluated.

Evaluation is an element of education that is based upon the educational objectives and the learning experience. Evaluation is a systematic process of collecting, examining and interpreting information to determine the extent to which pupils are achieving instructional objectives.

मूल्यांकन: शिक्षा एक बदलती हुई प्रक्रिया है जिसके लिए निरंतर मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। मूल्यांकन शिक्षा का एक तत्व है जो शैक्षिक उद्देश्यों और सीखने के अनुभव पर आधारित है। मूल्यांकन जानकारी एकत्र करने, जाँचने और उसकी व्याख्या करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है जिससे यह निर्धारित किया जाता है कि विद्यार्थी किस हद तक निर्देशात्मक उद्देश्यों को प्राप्त कर रहे हैं।

The Need for Evaluation:

- The evaluation process ensures teachers' effectiveness in learning by setting student learning objectives instead of what a teacher will do.

मूल्यांकन प्रक्रिया एक शिक्षक क्या करेगा इसके बजाय छात्र सीखने के उद्देश्यों को निर्धारित करके सीखने में शिक्षकों की प्रभावशीलता सुनिश्चित करता है।

- The evaluation process helps in making the learner-centred environment in the school environment.
- The evaluation process helps in creating a knowledge-centred environment in the school

मूल्यांकन प्रक्रिया विद्यालय के वातावरण में शिक्षार्थी केंद्रित वातावरण बनाने में मदद करती है। मूल्यांकन प्रक्रिया विद्यालय में ज्ञान-केंद्रित वातावरण बनाने में मदद करती है

- Evaluation in teaching creates an assessment-centred environment in the school.
- The evaluation process in teaching-learning creates a community-centred environment within the school.

शिक्षण में मूल्यांकन विद्यालय में मूल्यांकन-केंद्रित वातावरण बनाता है। शिक्षण-अधिगम में मूल्यांकन प्रक्रिया विद्यालय के भीतर समुदाय-केन्द्रित वातावरण का निर्माण करती है।

ASSESSMENT VERSUS EVALUATION

Assessment tests how learning is going	Evaluation tests what has been learned
Diagnostic: it identifies areas for improvements	Judgmental: it arrives at an overall score
Identify weaknesses and improve the learning	Judge the quality
Conducted during the learning process	Held at the end of the learning process
Help students to learn from each other	Make students compete with each other

©edline.com

Types of Assessment:

Usually, **three** kinds of assessment are used in the teaching-learning process in school education. They are:

आकलन के प्रकार: आमतौर पर, स्कूली शिक्षा में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में तीन तरह के आकलन का इस्तेमाल किया जाता है। वो हैं:

1. Formative assessment: This assessment is one of the most powerful tools of assessment for improving the understanding and performance of the students over a short period.

1. निर्माणात्मक मूल्यांकन: यह मूल्यांकन छोटी अवधि में छात्रों की समझ और प्रदर्शन में सुधार के लिए मूल्यांकन के सबसे शक्तिशाली उपकरणों में से एक है।



2. Portfolio assessment: This assessment takes place occasionally over a long period. The project, written assignments, tests etc. are the tools of this assessment. In this assessment feedback to the learner is more formal and also provides opportunities for learners to re-demonstrate their understanding after the feedback has been understood and acted upon.

2. पोर्टफोलियो असेसमेंट: यह असेसमेंट कभी-कभी लंबी अवधि में होता है। परियोजना, लिखित कार्य, परीक्षण आदि इस मूल्यांकन के उपकरण हैं। इस मूल्यांकन में शिक्षार्थी के लिए प्रतिपुष्टि अधिक औपचारिक होती है और प्रतिपुष्टि को समझने और उस पर कार्य करने के बाद शिक्षार्थियों को अपनी समझ को फिर से प्रदर्शित करने के अवसर भी प्रदान करती है।

3. Summative assessment: This assessment can be done at the end of a year or term. Through this assessment, the teacher comes to know about the strength and weaknesses of the curriculum and instruction. The result of this assessment may take time to return to parents or students.

3. योगात्मक मूल्यांकन: यह मूल्यांकन एक वर्ष या अवधि के अंत में किया जा सकता है। इस मूल्यांकन के माध्यम से, शिक्षक को पाठ्यचर्या और निर्देश की ताकत और कमजोरियों के बारे में पता चलता है। इस मूल्यांकन के परिणाम माता-पिता या छात्रों के पास लौटने में समय लग सकता है।

Types of Assessments



Diagnostic Assessment

Happens at the beginning of a lesson, unit, course, or academic program.

Summative Assessment

Aims to assess the levels of learning at the end of an instructional period.

Non-Referenced Assessment

Compares student's performance against fixed average norms.

Ipsative Assessment

Tracks learners' progress against their previous performance.

Formative Assessment

In-process assessment designed for practice and feedback.

Confirmative Assessment

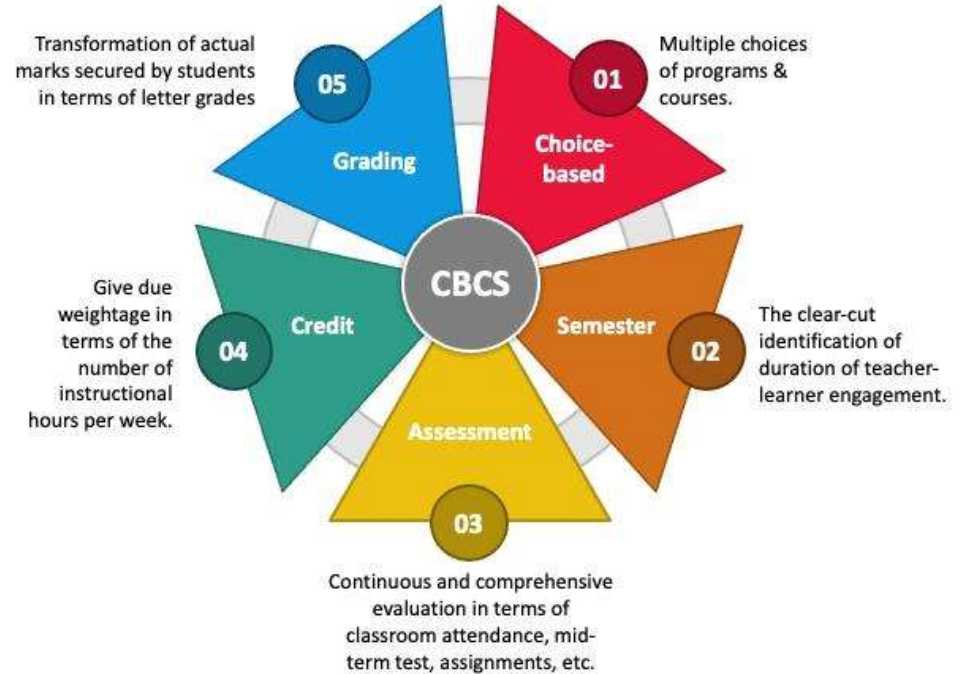
Confirms the effectiveness of instructions.

Criterion-Referenced Assessment

Evaluates specific skill-set or knowledge.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Elements of CBCS



most of the educational institutions follow marks or percentage based evaluation systems which restrict the students to take up the subject or the course of their choice. Our educational system should be flexible that is, the student must get a choice to study his/her course/subject of interest. It can only be possible if the Choice Based Credit System (CBCS) are being introduced.

अधिकांश शैक्षणिक संस्थान अंक या प्रतिशत आधारित मूल्यांकन प्रणाली का पालन करते हैं जो छात्रों को उनकी पसंद के विषय या पाठ्यक्रम लेने से रोकते हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली लचीली होनी चाहिए अर्थात् छात्र को अपने पाठ्यक्रम/रुचि के विषय का अध्ययन करने का विकल्प मिलना चाहिए। यह तभी संभव हो सकता है जब च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) शुरू किया जाए।



8209837844

www.Fillerform.info

[/Fillerform](#)

The CBCS opens up many opportunities and path for the students to learn and explore not only the subject of their choice but beyond which also develops ones individual self. These courses can further be evaluated through grading system, which is considered to be better than the age old marking system. It is better if we introduce and follow the uniform grading system across India which will further help the students to move across institutions within India and across countries.

सीबीसीएस न केवल अपनी पसंद के विषय को सीखने और तलाशने के लिए छात्रों के लिए कई अवसर और रास्ते खोलता है, बल्कि इससे आगे भी स्वयं को विकसित करता है। इन पाठ्यक्रमों का आगे मूल्यांकन ग्रेडिंग प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, जिसे सदियों पुरानी अंकन प्रणाली से बेहतर माना जाता है। यह बेहतर होगा यदि हम पूरे भारत में एक समान ग्रेडिंग प्रणाली लागू करें और उसका पालन करें जो छात्रों को भारत के भीतर और अन्य देशों में संस्थानों में जाने में मदद करेगी।



8209837844

www.Fillerform.info

[/Fillerform](#)

Not only it will help the students but also the potential employers to assess the performance of the candidates uniformly through evaluation system and Cumulative Grade Point Average (CGPA) based on the student's performance in the examination. One can also check the link below and make out how UGC has made the guidelines which have to be followed.

यह न केवल छात्रों बल्कि संभावित नियोक्ताओं को भी परीक्षा में छात्र के प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन प्रणाली और संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) के माध्यम से समान रूप से उम्मीदवारों के प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करेगा। कोई भी नीचे दिए गए लिंक की जांच कर सकता है और यह पता लगा सकता है कि कैसे यूजीसी ने दिशानिर्देश बनाए हैं जिनका पालन किया जाना है।



8209837844

www.Fillerform.info

[/Fillerform](#)

YOU must be familiar with the structure and implementation of Choice Based Credit System (CBCS). They are as follows:

The approach should be student centric. That is, the CBCS system will permit the students to choose their choice of courses like inter or intra disciplinary courses, skill based courses, etc. It gives relaxation to students to take up the course even they are from different disciplines like a student can combine Physics with Economics likewise. The student has the freedom to complete their course from different institutions at different period of time. It can also transfer the points or the credit which the student gets from one institute to other. Hence, if the CBCS system gets implemented it will be good for a student as it provides flexibility and also meet their requirement.

आपको चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) की संरचना और कार्यान्वयन से परिचित होना चाहिए। वे इस प्रकार हैं:

दृष्टिकोण विद्यार्थी केन्द्रित होना चाहिए। अर्थात्, सीबीसीएस प्रणाली छात्रों को इंटर या इंटा अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम, कौशल आधारित पाठ्यक्रम आदि जैसे पाठ्यक्रमों की अपनी पसंद चुनने की अनुमति देगी। अर्थशास्त्र के साथ भौतिकी भी।

छात्र को कॉम करने की आजादी है

The students get the privilege to choose the subjects of their choice. They are being classified as different groups which allow the students to choose their choice of subjects from each group. UGC has categorized as mentioned below:

Core Course – In core course, the student have to compulsory study the core or the main subject to fulfill the requirement of the programme of that particular discipline which he/she is studying. Core courses will be there in every semester.

Elective Course – In elective course, the student can choose any paper of his/her choice. It could be :

.

Discipline Specific Elective Course like it will support the discipline of study with the main subject.

It could provide an extended scope for the student to study further.

It also gives the student the exposure to some other areas.

It also nurtures the student's proficiency/skill on any particular subject



छात्रों को अपनी पसंद के विषय चुनने का मौका मिलता है। उन्हें विभिन्न समूहों के रूप में वर्गीकृत किया जा रहा है जो छात्रों को प्रत्येक समूह से अपनी पसंद के विषय चुनने की अनुमति देते हैं। यूजीसी ने निम्नानुसार वर्गीकृत किया है:

कोर कोर्स - कोर कोर्स में, छात्र को उस विशेष अनुशासन के कार्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोर या मुख्य विषय का अनिवार्य अध्ययन करना होता है, जिसका वह अध्ययन कर रहा है। हर सेमेस्टर में कोर कोर्स होंगे।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम - पहले में

Generic Elective
Project
Ability Enhancement Courses
Skill Enhancement Course

सामान्य चुनाव
परियोजना
क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम
कौशल विकास पाठ्यक्रम

Foundation Course – there are two types of Foundation courses – Compulsory Foundation and Elective Foundation.

Compulsory Foundation course are content based which leads a student for their knowledge improvement. They are compulsory for all disciplines.

Elective Foundation course are based upon values which aims at man-making education.

फाउंडेशन कोर्स - फाउंडेशन कोर्स दो तरह के होते हैं - कंपल्सरी फाउंडेशन और इलेक्टिव फाउंडेशन। अनिवार्य फाउंडेशन पाठ्यक्रम सामग्री आधारित होते हैं जो एक छात्र को उनके ज्ञान में सुधार के लिए प्रेरित करते हैं। वे सभी विषयों के लिए अनिवार्य हैं। ऐच्छिक फाउंडेशन पाठ्यक्रम उन मूल्यों पर आधारित हैं जिनका उद्देश्य मानव-निर्माण शिक्षा है।

Computation of SGPA and CGPA

UGC recommends Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA). We can calculate the SGPA in the following manner:

It is the ratio of the sum of the product of the number of credits with the grade points which a student scored and the sum of the number of credits of all the courses which a student has undergone, ie

$$\text{SGPA (Si)} = (\text{Ci} \times \text{Gi}) / \text{Ci}$$

The CGPA is calculated taking into consideration of all the courses a student undergoes of all the semesters of the programme, ie

$$\text{CGPA (Ci)} = (\text{Ci} \times \text{Si}) / \text{Ci}$$

Abbreviations:

Si-SGPA of the semester

Ci-Total number of credits in that semester

Gi-Grade point scored by the student in the course

The SGPA and CGPA shall be rounded off to 2 decimal points which come out the result of the student.



JANUARY 2023

We want JRF

SUNDAY	MONDAY	TUESDAY	WEDNESDAY	THURSDAY	FRIDAY	SATURDAY
1	2	3	4 UNIT-1 UNIT-5 UNIT-8	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31	1	2	3	4

CLASS TIME TABLE	UPDATE
1. 08:00AM- GK 2. 09:00 AM- MCQ/PYQ 3. 10:00 AM- Unit 1 4. 11:00 AM- Unit 5 5. 09:00 AM- Unit 8	

1. 07 jan – evaluation system
2. 08 jan – theories of teaching



2 JAN 2023

All SET Exam Free Class



Instagram



f

in

🐦



Filler Form

@FillerForm

218K subscribers

Subscribe

HOME

VIDEOS

SHORTS

LIVE

PLAYLISTS

COMMUNITY

CHANNELS

ABOUT



All playlists ▾

Created playlists



UGC NET 2023-ICT

Updated yesterday

[View full playlist](#)



UGC NET 2023- Unit 5

Updated today

[View full playlist](#)



UGC NET 2023 - Unit 1

Updated today

[View full playlist](#)



UGC NET MCQ by Nidhu

Updated today

[View full playlist](#)



UGC NET 2023

Updated today

[View full playlist](#)

8233651148

How to Join Free C

823365114

www.Fillerform.info

The screenshot shows the YouTube channel page for 'Filler Form', which has 155K subscribers. A red 'SUBSCRIBE' button is highlighted with a blue box. The channel's navigation menu includes HOME, VIDEOS, PLAYLISTS, COMMUNITY, and CHANNELS. Under the 'Uploads' section, three videos are listed:

- UGC/NET/CSIR/SET/Ph.d Current Affairs(21-March)**: A video about current affairs for UGC NET, CSIR, SET, and Ph.D. exams, scheduled to premiere on 09:00 AM. It features a 'PREMIERING NOW' badge.
- JRF का Amount कैसे मिलता है**: A video explaining how to get a JRF scholarship, with a duration of 3:53. It includes a 'www.fillerform.info' link and a WhatsApp icon.
- UGC NET 2022 History दिल्ली सल्तनत**: A video about the history of UGC NET 2022, specifically focusing on the Delhi Sultanate. It is by Pawan Sir and is scheduled to premiere on 01:00 PM on 21/03/2022. A 'SET REMINDER' button is visible below the video.



8233651148

www.ugc-net.com



FILLERFORM

Education Hub

UGC NET/SET FULL COURSE

Best Services for You

- ✓ Live Class
- ✓ Notes PDF
- ✓ 100-Mock Test
- ✓ Class doubt
- ✓ PYQ Paper
- ✓ 24*7 Support

75%
OFF

₹ 999

Valid Till - Dec 2022 Exam



8233651148

www.fillerform.info

How to Paid Class



823365114

www.Fillerform.info



जिसने भी खुद को खर्च
किया है,
DUNIYA ने उसी को
GOOGLE पर SEARCH
किया है।



2



www.fillerform.com



fillerform